महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय
बीकानेर

पाठ्यक्रम एवं परीक्षा योजना

कला संकाय

एम.फिल.

विषय – संस्कृत

परीक्षा 2019

(सत्र 2018–2019)

महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर

एम.फिल. परीक्षा 2019 विषय – संस्कृत

परीक्षा योजना एवं सामान्य निर्देश

1. एम.फिल. उपाधि हेतु कुल चार प्रश्न पत्र होंगे।
2. प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय प्रश्न पत्रों की लिखित परीक्षा होगी तथा चतुर्थ प्रश्न पत्र के रूप में वृत्त अध्ययन(Case Study) प्रस्तुत करना होगा। प्रत्येक प्रश्नपत्र के लिए 100 अंक निर्धारित किए जाते हैं।
3. वृत्त अध्ययन का मूल्यांकन दो परीक्षकों द्वारा किया जायेगा
4. प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय प्रश्नपत्र में 20 अंक संस्कृत माध्यम के लिए निर्धारित होंगे।

पाठ्यक्रम एवं परीक्षा योजना

प्रथम प्रश्नपत्र – वेदांग एवं साहित्यशास्त्र

समय 3 घण्टे **पूर्णांक 100 अंक**

इकाई–1 ध्वन्यालोक (द्वितीय उद्योत) सम्पूर्ण 20 अंक

इकाई–2 निरुक्त – अध्याय सात 20 अंक

इकाई–3 पाणिनीय शिक्षा 20 अंक

इकाई–4 रसगंगाधर – प्रथम आनन (रसस्वरूप निरूपण – व्यभिचारिभावस्वरूप निरुपण पर्यन्त) 20 अंक

इकाई–5 पाश्चात्य काव्य शास्त्र के प्रमुख सिद्धान्त – उदात्तीकरण, अभिव्यञ्जनावाद, विरेचन सिद्धान्त, निर्वैयक्तिकता का सिद्धान्त, अनुकरण सिद्धान्त 20 अंक

100 अंक

विशेष निर्देश –

1. प्रश्न पत्र संस्कृत माध्यम से बनाया जाएगा।
2. इकाई संख्या 1 में से कारिका 10 अंकों की तथा इकाई संख्या 2 में से निर्वचन 10 अंकों के संस्कृत माध्यम से पूछे जावे।
3. इकाई 5 में से दो सिद्धान्तों पर 10+10 = 20 अंक की टिप्पणियां पूछी जावे।

पाठ्य एवं सहायक पुस्तकें–

1. ध्वन्यालोक – टीकाकार – आचार्य अभिनवगुप्त
2. ध्वन्यालोक – टीकाकार – आचार्य विश्वेश्वर
3. ध्वन्यालोक – टीकाकार – रामसागर त्रिपाठी
4. संस्कृत काव्यशास्त्र – डॉ. एस.के.डे
5. संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास – डॉ. पी.वी. काणे

6. स्वतन्त्रता कलाशास्त्र – डॉ. के.सी. पाण्डेय
7. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका – डॉ. नगेन्द्र
8. भारतीय सौन्दर्यशास्त्र की भूमिका – डॉ. नगेन्द्र
9. संस्कृत आलोचना – पं. बलदेव उपाध्याय
10. भारतीय साहित्यशास्त्र कोष – राजवंश सहाय हीरा
11. भारतीय काव्यशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन – डॉ. बच्चनसिंह
12. साहित्य समीक्षा के पाश्चात्य मापदण्ड – डॉ. राजेन्द्र वर्मा
13. निरुक्त आचार्य विश्वेश्वर
14. रसगंगाधर – (जगन्नाथ) व्या. बद्रीनाथ, आ. मदनमोहन शर्मा
15. डॉ. रामाधार – रसगंगाधर
16. मथुरानाथ शास्त्री – रसगंगाधर
17. निरुक्तम् – म.म. पं. छज्जूराम शास्त्री, आचार्य भागीरथ शास्त्री, मेहरचन्द लछमनदास पब्लिकेशन्स, अंसारी रोड़, दरियागंज, नई दिल्ली–110002
18. निरुक्त (1, 2, 7 अध्याय) – डॉ. कपिलदेव शास्त्री, डॉ. श्रीकान्त पाण्डेय, साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार, मेरठ–250002
19. पाणिनीय शिक्षा–डॉ. द्विजेन्द्रनाथ मिश्र, हंसा प्रकाशन, जयपुर
20. पाणिनीय शिक्षा–डॉ. अर्कनाथ चौधरी, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर
21. पाणिनीय शिक्षा–डॉ. सत्यप्रकाश दुबे, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर

द्वितीय प्रश्नपत्र : संस्कृत व्याकरण

समय 3 घण्टे **पूर्णांक 100 अंक**

इकाई–1 लघुसिद्धान्त कौमुदी – भ्वादिगण 20 अंक

इकाई–2 लघुसिद्धान्त कौमुदी – अदादि से स्वादिगण तक 20 अंक

इकाई–3 लघुसिद्धान्त कौमुदी – तुदादि से चुरादिगण तक 20 अंक

इकाई–4 लघुसिद्धान्त कौमुदी प्रक्रिया भाग (णिजन्त, सन्नन्त, यङन्त, युङ्लुक, नामधातु, कण्ड्वादि, भावकर्म, आत्मनेपद परस्मैपद एवं लकारार्थ) 20 अंक

इकाई–5 रभसनन्दि – कारक सम्बन्धोद्योत 20 अंक

100 अंक

गणभाग से निम्नानुसार धातुएँ सभी लकारों में पठनीय हैं–

1. भवादिप्रकरणम् – भू, अत्, गद्, णद्, गुप्, श्रु, एध्, क्रमु, द्युत्, यज्, वह्।
2. अदादि – अद्, हन्, या, अस्, ब्रूञ्।
3. जुहोत्यादि – हु, ञिभी, ओहाक्, डुभृञ्, डुदाञ्।

4. दिवादि – दिवु, नृती, णश्, जनी।
5. स्वादि – षुञ, चिञ्, धूञ्।
6. तुदादि – तुद्, कृष्, मुच्लृ, लुभ्, शद्लृ।
7. रुधादि – रुधिर्, हिंसि, भुज्।
8. तनादि – तनु, क्षणु, डुकृञ्।
9. क्र्यादि – डुक्रीञ्, प्रीञ्, पूञ्, ग्रह्।
10. चुरादि – चुर्, गण्।

विशेष निर्देश –

1. प्रश्न पत्र संस्कृत माध्यम से बनाया जाएगा।
2. इकाई संख्या 1, 2 एवं 3 में सिद्धियाँ एवं सूत्र व्याख्या।
3. इकाई 3 में से प्रश्न संस्कृत माध्यम से पूछा जावे।

पाठ्यपुस्तकें

1. लघुसिद्धान्त कौमुदी, गीता प्रेस गोरखपुर
2. लघुसिद्धान्त कौमुदी, भीमसेन शास्त्री
3. लघुसिद्धान्त कौमुदी, श्रीधरानन्द
4. कारकसम्बन्धोद्योत (रभसनन्दि) – हिन्दी व्याख्या – डॉ. श्रीकृष्ण शर्मा, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर

तृतीय प्रश्नपत्र – शोध प्रविधि एवं पाण्डुलिपि पाठानुसन्धान–विज्ञान

समय 3 घण्टे **पूर्णांक 100 अंक**

इकाई–1 शोध की परिभाषा, शोध के प्रकार व पर्याय, साहित्यिक शोध की विशेषताएँ, साहित्यिक शोध के तत्त्व, आलोचना और अनुसंधान, साहित्य शोध, अवधारणाएँ, साहित्यिक शोध के तत्त्व व सिद्धान्त, समालोचना और अनुसन्धान, अन्वेषणा और गवेषणा – तात्त्विक भेद, साहित्यिक शोध के प्रकार, भाषा वैज्ञानिक अध्ययन, ऐतिहासिक व तुलनात्मक अध्ययन, पाठालोचन 20 अंक

इकाई–2 शोध के अधिकारी व प्रयोजन, शोध का क्षेत्र, शोध क्षेत्र का चयन, सम्पन्न क्षेत्रीय शोध पुनर्मूल्यांकन, विषय– निर्वाचन, विषय की सीमायें, संक्षिप्त रूपरेखा, प्राथमिक एवं माध्यमिक स्रोत 20 अंक

इकाई–3 प्रबन्ध की सज्जा – सामग्री–संकलन, सहायक व संदर्भ ग्रन्थ–सूची का निर्माण, कार्डो (ग्रन्थ सूत्री पत्रों) पर ग्रन्थों से उद्धरण लेना व सारांश ग्रहण करना, वर्गीकरण, विश्लेषण तथा संगृहीत सामग्री का उपयोगी विवेचन, सन्दर्भोल्लेखन, कार्य की योजना बनाना, रूपरेखा के अनुसार अध्यायों का विभाजन (शोधसार), प्रबन्ध लेखन की तैयारी। 20 अंक

इकाई–4 अनुबन्ध योजना–पूर्वानुबन्ध–प्राक्कथन, विषयसूची, मूलग्रन्थ संकेत सूची, मध्यानुबन्ध, पश्चानुबन्ध–परिशिष्ट, संदर्भ ग्रन्थ सूची, नामानुक्रमणिका, शोध का सारांश व महत्त्व, दिग्दर्शन, प्रथम आलेख, संशोधन, अन्तिम आलेख, संस्कृत–हस्तलेखों के पठन एवं अन्तर्राष्ट्रीय लेखन चिह्नों से परिचय। 20 अंक

इकाई–5 पाण्डुलिपि की परिषाभा एवं प्रकार, पाण्डुलिपियों में अंक लेखन की प्रक्रिया तथा संस्कृत के प्रमुख पुस्तकालय व शोध संस्थान, पाण्डुलिपि–विज्ञान एवं प्रामाणिक पाठ–निर्धारण, पाठालोचन में भ्रान्ति निवारण, पाण्डुलिपि–विज्ञान और उसकी सीमाएँ, पाण्डुलिपि ग्रन्थरचना प्रक्रिया, पाण्डुलिपियों के प्रकार, कालनिर्धारण, काल संकेतों के रूप, पाण्डुलिपियों के रखरखाव। 20 अंक

सहायक पुस्तकें

1. डॉ. उदयभानु सिंह – अनुसंधान का विवेचन
2. डॉ. विनय मोहन शर्मा – शोध प्रविधि
3. डॉ. सावित्री सिन्हा व राजेन्द्र स्नातक – अनुसंधान की प्रक्रिया
4. डॉ. देवराज उपाध्याय – साहित्य एवं शोध कुछ समस्याएं
5. डॉ. एम.एस कात्रे – भारतीय पाठालोचन की भूमिका (हिन्दी अनुवाद)
6. डॉ. मिथिलेश कात्रे – पाठालोचन सिद्धान्त और प्रक्रिया
7. डॉ. वी.एस. सुकथनकर – महाभारत भूमिका
8. डॉ. जी.एच. भट्ट – रामायण भूमिका
9. डॉ. विश्वबन्धु – वैदिक पदानुक्रम कोश भूमिका
10. डॉ. वी. राघवन – न्यू केटेलॉग्स कैटेलोगोरम – भूमिका
11. डॉ. गोरीशंकर – संस्कृत शिक्षानुशीलन
12. डा. उदयभानुसिंह – अनुसंधान के मूल तत्त्व
13. डॉ. सत्येन्द्र – पाण्डुलिपि – विज्ञान
14. गौरीशंकर हीराचन्द्र ओझा – प्राचीन लिपिमाला
15. विमलेश विमलकान्त – पाठान्तर
16. Dandekar, R.N. – Vedic Bibliography, Vol. 3, Poona
17. सरनामसिंह शर्मा – शोध प्रक्रिया तथा विवरणिका
18. Sendors, C. : An Introduction to Research and Research Paper, Narcol Brass & Co., New York.
19. Seen, A. : Harbrass Guide to Literary and Research Papers, Narcot Brass & Co., New York.
20. Anderson Thesis and Assignment Writing

21. देवराज उपाध्याय – साहित्यिक अनुसंधान का प्रतिमान
22. सावित्री सिन्हा एवं उदयभानु सिंह – अनुसंधान प्रक्रिया का स्वरूप
23. राजेश्वर प्रसाद खण्डेलवाल – शोध प्रविधि
24. मिथलेश कान्ति – पाठालोचन : सिद्धान्त और प्रक्रिया

चतुर्थ प्रश्नपत्र – वृत्त अध्ययन(Case Study)

पूर्णांक 100

1. **वृत्त अध्ययन** की पृष्ठ सीमा 100 से 150 तक होगी
2. **वृत्त अध्ययन** का विषय

(क) संस्कृत की पाण्डुलिपियों, मुद्रित पाठ्य–ग्रन्थों के पाठ का सम्पादन, अनुवाद या सटिप्पणी व्याख्या तथा (हिन्दी, संस्कृत या अंग्रेजी में) भूमिका सहित

टिप्पणी : केवल ऐसे ही मुद्रित मूल ग्रन्थों को शोध कार्य के लिए चुना जा सकता है जिनका अब तक ऐसा कोई अनुवाद या सम्पादन नहीं किया गया हो।

अथवा

(ख) काव्य/ग्रंथ/लेखक/चिंतक आदि विषय पर वृत्त अध्ययन किया जा सकता है। यह कार्य हिन्दी, संस्कृत अथवा अंग्रेजी भाषा के माध्यम से किया जा सकता है।

अथवा

(ग) समीक्षात्मक अध्ययन